Written by B4M
Monday, 10 January 2011 12:00

चंतिक, वरिष्ठ पत्रकार और भारतीय प्रेस परिषद के पूर्व सदस्य परंजॉय गुहा ठकुरता का मानना है कि आज पेड न्यूज छाप कर बड़े अखबार ही मीडिया की नैतिकता भूल रहे हैं□ यह शर्मनाक है□ मीडिया में भ्रष्टाचार व्यक्तिगत से बढ़कर संस्थानिक हो गया है□ यह स्थिति देश और समाज के हित में नहीं है□ चुनावों के दौरान मीडिया में पेड न्यूज के मामले में भारतीय प्रेस परिषद को चौंकाने वाली रिपोर्ट पेश करने वाले परंजॉय शनिवार को राजस्थान पत्रिका और माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता □वं संचार विवि भोपाल द्वारा आयोजित पं. झाबरमल्ल शर्मा स्मृति व्याख्यान दे रहे थे□

जयपुर के इंद्रलोक सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में राजस्थान पत्रिका की ओर से सृजनात्मक साहित्य और पत्रकारिता पुरस्कार भी दि□ ग□□ ठकुरता ने कहा कि अखबारों में खबर और विज्ञापन का अंतर समाप्त होता जा रहा है□ बड़े अखबार ही मीडिया की नैतिकता को खत्म कर रहे हैं□ पेड न्यूज के मामले में भारतीय प्रेस परिषद को दी गई अपनी रिपोर्ट का उल्लेख करते हु□ ठकुरता ने कहा कि यह रिपोर्ट 36 हजार शब्दों और 71 पृष्ठों की थी और इस रिपोर्ट में टाइम्स ऑफ इण्डिया, दैनिक भास्कर, दैनिक जागरण, आजतक चैनल जैसे लगभग सभी बड़े अखबारों व मीडिया हाउस का नाम था, यही कारण था कि सरकार को सिर्फ 3600 शब्दों की रिपोर्ट दी गई□ उन्होंने इस बात पर खुशी जाहिर की कि इस रिपोर्ट में राजस्थान पत्रिका का नाम नहीं था□

उन्होंने कहा कि आज भी लोग मानते हैं कि हमारी समस्या अखबार में आ जा□ तो उस पर सरकार कुछ न कुछ कर देगी, लेकिन अब यह विश्वसनीयता धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है□ मीडिया में व्यक्तिगत भ्रष्टाचार बहुत समय से है□ लेकिन अब यही व्यक्तिगत भ्रष्टाचार संस्थानिक होता जा रहा है□ बड़े अखबार विज्ञापनों के बदले कम्पनियों के शेयर खरीद लेते हैं और फिर उन कम्पनियों के बारे में कुछ भी गलत नहीं छापा जाता□

इसे देखते हु□ ही सेबी को यह निर्देश जारी करने पड़े कि किसी कम्पनी के बारे में कुछ छापने के साथ अखबार को बताना होगा कि उसका कोई वित्तीय रिश्ता तो नहीं है□ इस तरह मीडिया पाठकों के साथ तो बेईमानी कर ही रहा है, बिना रसीद पैसा लेकर देश के कानून का भी उल्लंघन कर रहा है□ हालांकि उन्होंने कहा कि निराश होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आम आदमी का विश्वास आज भी पत्रकार पर कायम है□ इस विश्वास को और ताकत देने की जरूरत है□ उन्होंने कहा कि राडिया टेप ने यह साबित कर दिया कि मीडिया अब मंत्री व विभाग भी तय कर रहा है□ ठकुरता ने कहा कि पत्रकार को वॉचडॉग माना जाता है, लेकिन यह ध्यान रखि□ कि वॉचडॉग कई तरह के होते है□ काटने वाले, भौंकने वाले, कुछ अमीरों और पूंजीपतियों की गोद में बैठ जाते हैं, लेकिन कुछ □से होते हैं जो अंधे को रास्ता पार कराते और विस्फोटकों का पता लगाकर निष्क्रिय करते हैं□

□□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ : समारोह की अध्यक्षता करते हु□ माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति वीके कुठियाला ने जनता का विश्वास बना□ रखना मीडिया के सामने बड़ी चुनौती बताई□ शोध और अनुभव के आधार पर उन्होंने माना कि मीडिया की विश्वसनीयता में कमी आई है□ साथ ही पेड न्यूज और सुपारी पत्रकारिता जैसी वृत्तियां चर्चा में आई हैं□ पेड न्यूज की रिपोर्ट का जिक्र करते हु□ उन्होंने कहा कि प्रेस परिषद की प्रभावी भूमिका सुनिश्चित होनी चाहि□, वहीं सरकार की ओर से कन्टेन्ट रेगुलेशन □क्ट लाने के प्रयास पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने का प्रयास है□ □सा करना न राष्ट्रहित में है ना समाज हित में□

उन्होंने पत्रिका की तारीफ करते हु□ कहा कि संघर्ष करते हु□ पत्रिका ने आज समाज में मित्र का स्थान ले लिया है□ चुनौती भरे कार्य पत्रिका ने खूब

नभिा□ है□ पत्रकारता की तीन धारा बताते हु□ वे बोले, पत्रकाि ने जन सरोकारों की पैरवी की है□ वह □डवोकेट जर्नलस्टि व □क्टविस्टि जर्नलस्टि की भूमकाि में रहा□ उन्होंने पत्रकाि के इस कार्यक्रम की सराहना करते हु□ कोठारी को बधाई दी कि पत्रकाि समाज को दशिा देने के साथ न□ पत्रकारों का सृजन कर रहा है□

□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□-□□□□ □□ □□ □□□!□इस मौके पर पत्रकाि समूह के प्रधान सम्पादक गुलाब कोठारी ने पत्रकारता क्षेत्र में पछिले दनिों हु□ घटनाक्रम पर दुख जताते हु□ कहा कि आज के माहौल को देखकर दलि रोता है□ पछिले 10 सालों में जो उदाहरण सामने आ□ उससे लगता है कि लक्ष्मण रेखा पीछे छूट गई□ पत्रकार बनने वाले को सोचना होगा कि उसने कलम क्यों पकड़ी□ सर्फि पेट भरने के लपि□ या समाज, देश के लपि□□ आम आदमी मीडयिा में वश्विास करता है, लेकनि मीडयिा में जो लोग आ रहे हैं, वे उस समर्पण के साथ नहीं आ रहे, जो समर्पण पछिली पीढ़ी के पत्रकारों में था□

पत्रकारता में आज वशिेषज्ञता की स्थतिि तो आ गई, लेकनि वश्विसनीयता खत्म हो गई है□ पेड न्यूज के मामले में राजस्थान पत्रकाि को छोड़कर लगभग सारे अखबार आ ग□ और देखकर लगा कि इन्हें अखबार कहें भी या नहीं□ हमें गर्व है कि पत्रकाि के संवाददाता ने पैसे लेकर खबर नहीं छापी□ उन्होंने कहा कि पत्रकार यदि सुवधिाओं के लपि□ सरकार की ओर देखेंगे तो नश्चिति रूप से उन पर दबाव रहेगा□

राडयिा प्रकरण का हवाला देते हु□ कोठारी ने कहा कि जो पत्रकार मीडयिा जगत में छा□ हु□ थे, आज हमको यह कहने में भी शर्म आ रही है कि वे मीडयिा के अंग हैं□ हमें पुनर्वचिार करना होगा कि इस डोर में क्या हो कि पुनर्वश्विास का सलिसलिा शुरू हो सके□ आज धर्म, शक्षिा या □क सीमा तक मां-बाप से भी आगे बढ़कर मीडयिा महत्वपूर्ण हो गया है□ व्यक्तत्वि नर्मिाण में मां-बाप, शक्षिक की भूमकाि सीमति हो गई है□ न□ परदृिश्य और वैश्वकि प्रतस्पिर्घा के युग में व्यक्तत्वि तैयार करने की जम्मिेदारी मीडयिा पर आ गई है□ आज पत्रकारता भी नकल सखिा रही है, संस्कृति का हस्सिा नहीं बन रही□

आम आदमी भी जागरूक नहीं है, अपने उत्तरदायत्विों को नहीं नभिा रहा, सब बातों के लपि□ सरकार और प्रशासन की तरफ ताकता है□ वज्ञिापनों में नकल की प्रवृत्ति का जक्रि करते हु□ कोठारी ने कहा कि दशिा देने का काम मीडयिा का है□ लेकनि हम जा□ंगे कहां, यह मीडयिा नहीं बता रहा□ उन्होंने आह्वान कयिा कि हम भीतर की ताकत को समझें और बाहर के जीवन से संतुलन बठिा□ं□ मूल जीवन में हमारी शैली है□ उन्होंने गर्व के साथ कहा कि पत्रकाि ने अपनी मूल शैली को अपना रखा है, यह नहीं हो सकता कि हमारी कलम पर रोक लग जा□□ लोगों से पत्रकाि का व्यापारकि नहीं वश्विास का रश्ितिा है□

इस सलिसलिे में उन्होंने भोपाल में तालाब की खुदाई से लेकर कसिान आंदोलन और गुर्जर आंदोलन का जक्रि कयिा□ वश्विास की ताकत ही है कि भोपाल से लेकर छत्तीसगढ़ तक हमें कोई रोक नहीं पा रहा□ पत्रकाि का यही दृष्टकिोण रहा है कि अपने बजाय समाज का चतिन करें, लाखों-करोड़ों लोग खुद ही आपका ध्यान रखेंगे□ इसे ही मास मीडयिा कहते हैं□ पत्रकाि के सामाजकि सरोकार का भी यही उद्देश्य है कि लोगों को माटी से जोड़े रखें□ समारोह के प्रारम्भ में कोठारी व कुठयिाला ने मां सरस्वती और पत्रकाि के संस्थापक कर्पूरचंद कुलशि की तस्वीरों के समक्ष द्वीप प्रज्□ज्□वलति कयिा□

कोठारी ने मुख्य वक्ता ठकुरता का साफा पहनाकर स्वागत कयिा□ पत्रकाि के नदिेशक □चपी तवािड़ी ने कुठयिाला को स्मृति चहि्न भेंट कयिा□ कार्यक्रम का संचालन सहायक महाप्रबंधक रेस्पांस प्रवीण नाहटा ने कयिा□ डप्टिी □डटिर सुकुमार वर्मा ने आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हु□ वश्विास दलिाया कि पत्रकाि अपनी मूलधारा को कभी नहीं छोड़ेगा□ कार्यक्रम में पत्रकार, साहत्यिकार जगत की प्रमुख हस्तयिां, प्रबुद्ध व गणमान्य नागरकि, पं. झाबरमल्ल शर्मा के परवािर के सदस्य मौजूद थे□